SNBP INTERNATIONAL SCHOOL,CHIKHALI, PUNE
Affiliation No. 1130703
ACADEMIC SESSION 2024-25
CLASS NOTES

Prepared by: Salma Bhatti **Class: 5**

Subject:Hindi **व्याकरण-पाठ-17 निबंध-लेखन,**

18- कहानी-लेखन

कहानी - १. कहानियाँ मजेदार और मनोरंजनपूर्ण होती हैं |

२. हर कहानी हमें कुछ - न - कुछ शिक्षा प्रदान करती है |

कहानी लिखने के जरूरी नियम -

१ . कहानी लिखने से पहले कहानी की रूप रेखा बना लेना चाहिए ।

२ . कहानी की भाषा सरल व आकर्षक होना चाहिए ।

३ . कहानी हमेशा भूतकाल में लिखनी चाहिए ।

४ . कहानी में शब्दों की सीमा का पूरा ध्यान रखना चाहिए ।

५ . कहानी का अंत उसकी शिक्षा के अनुसार होना चाहिए ।

जैसे - दी गई रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए-

लालच का परिणाम

राजा लोभदास को सोना जमा करने का लालच था। _____कुबेर देवता से वरदान माँगा की जिस चीज़ को वह छुएगा_____सोना हो जाएगी।_____राजा जिसे छूता वह ही_____ । बेटी_____पेड़-पौधे उसके छूने से सब सोना बन गये। खाना तक सोने का_____। वह भूखा-प्यासा परेशान _____ और रोने लगा। उसका रोना सुनकर कुबेर देवता _____। राजा ने कुबेर देवता से _____ माँगी और सब कुछ पहले जैसा करने के लिए कहा।

कहानी - राजा लोभदास को सोना जमा करने का लालच था। राजा ने कुबेर देवता से वरदान माँगा कि जिस चीज को वह छुएगा वह सोना हो जाएगी। उस दिन के बाद राजा जिसे छुता वह ही सोने का बन जाती। उसकी बेटी और पेड़-पौधे भी उसके छुने से सब सोना हो गए। खाना तक सोने का बन गया। वह भूखा प्यासा बहुत परेशान हो गया और रोने लगा। उसका रोना सुनकर कुबेर देवता प्रकट हुए। राजा ने कुबेर देवता से माँफी माँगी और सब कुछ पहले जैसा करने के लिए कहा।

सीख- लालच का कोई अंत नहीं होता।

निबंध-लेखन

परिभाषा- किसी एक विषय पर विचारों को क्रम से सुंदर, गठित और सरल भाषा में बाँधकर लिखना ही निबंध-लेखन कहलाता है।

निबंध लिखते समय ध्यान रखने वाली बातें-

१. **निबंध किसी एक विषय को लेकर लिखा जाना चाहिए।**
२. विषय का अनावश्यक विस्तार नहीं करना चाहिए।
३. भाषा प्रभावशाली और विषय के अनुकूल होनी चाहिए।
४. निबंध में विचारों की अभिव्यक्ति अच्छी तरह हुई हो।
५. निबंध में वर्तनी और विराम चिह्नों का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

उदाहरण- दिए गए विषय 'स्वतंत्रता दिवस' पर निबंध लिखिए।

<u>स्वतंत्रता दिवस</u>

स्वतंत्र रहने की इच्छा केवल मनुष्य में ही नहीं पश- पक्षियों में भी पाई जाती है। हमारे देश को स्वतंत्र कराने के लिए देश के अनेक नेताओं ने अपना बलिदान दिया था। उन्हीं के बलिदान के परिणामस्वरुप १५ अगस्त १९४७ में हमें अंग्रेजी शासन से मुक्ति मिली थी। इसी दिन से भारत एक स्वतंत्र देश गिना जाने लगा। तब से लेकर हर वर्ष १५ अगस्त स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष १५ अगस्त को स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय पर्व के रूप में आयोजित किया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस पर पूरे देश में अनेक प्रकार के कार्यक्रम होते हैं जिनमें देशभक्तों को याद किया जाता है तथा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। दिल्ली में ऐतिहासिक लाल किले पर भारत के प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करते हैं। राष्ट्रीय ध्वज को तोपों की सलामी दी जाती है। ध्वजारोहण के पश्चात प्रधानमंत्री देशवासियों के नाम अपना संदेश देते हैं। इस कार्यक्रम को दूरदर्शन पर सीधा प्रसारित किया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों को याद दिलाता है। हमारा कर्तव्य है कि उन देशभक्तों की कुर्बानी को ना भूले जिन्होंने अपने मस्तक देकर हमें स्वतंत्रता का उपहार प्रदान किया। इस दिन हमें देश की एकता और अखंडता की रक्षा का प्रण लेना चाहिए।

SUB TEACHER HOD CO-ORDINATOR PRINCIPAL